सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 74 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 18 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

प्रेमी, पागल, और कवि एक ही चीज से बने होते हैं।
-भगत सिंह

किसानों की समस्याओं को लेकर... 8 | शिवपाल को मनाने के मूड में नहीं... 3 | जहां तैनाती वहां रात में रुकें... 7

लखीमपुर खीरी कांड पर 'सुप्रीम' फैसला

आशीष मिश्रा की जमानत रद्द, एक सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश

केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी का पुत्र आशीष है हिंसा का मुख्य आरोपी

हाईकोर्ट ने दी थी जमानत, पीड़ित परिवारों ने सुप्रीम कोर्ट में दी थी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज बहुचर्चित लखीमपुर खीरी कांड में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा की इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत को रद्द कर दिया। साथ ही आशीष मिश्रा को एक सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 10 फरवरी को आशीष मिश्रा को जमानत दी थी।

जमानत रद्द करने की याचिका पर फैसला चीफ जस्टिस एनवी रमन, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने सुनाया। हिंसा में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा हाईकोर्ट के जमानत देने के फैसले को चुनौती दी गई थी। जस्टिस रमन की पीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला चार अप्रैल को सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के फैसले पर भी आपत्ति जताई थी जिसमें आरोपी आशीष मिश्रा को जमानत देने के लिए प्राथमिकी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अप्रासंगिक जानकारी को आधार माना गया था। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने दलील दी थी कि हाईकोर्ट ने एसआईटी की रिपोर्ट के साथ-साथ चार्जशीट को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने यह कहते हुए जमानत रद्द करने की मांग की थी कि आरोप गंभीर हैं और गवाहों को जान को खतरा है। वहीं आशीष मिश्रा की ओर से वरिष्ठ वकील रंजीत कुमार ने हाईकोर्ट के आदेश का बचाव करते हुए कहा था कि आशीष मिश्रा घटनास्थल पर मौजूद नहीं था। अगर अदालत जमानत के लिए कोई शर्त जोड़ना चाहती है तो वह ऐसा कर सकती है।

एसयूवी से कुचले गए थे चार किसान

बीते साल 3 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की लखीमपुर खीरी जिले की यात्रा के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों में से चार किसानों की मौत एक एसयूवी द्वारा कुचले जाने के बाद हुई थी। इसमें केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष का नाम आया था। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

दाखिल की गयी थी पांच हजार पन्नों की चार्ज शीट

लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया गांव में हुई हिंसा के मामले में एसआईटी ने तीन महीने के अंदर सीजेएम अदालत में तीन जनवरी को 5000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें आशीष मिश्रा को मुख्य आरोपी बनाते हुए 13 लोगों को मुल्जिम बताया था। इन सभी के खिलाफ सोची समझी साजिश के तहत हत्या, हत्या का प्रयास, अंग-भंग की धाराओं समेत आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी।

लखनऊ नगर निगम के भ्रष्टाचार की नयी कहानी, दर्जनों गाड़ियों पर नंबर ही नहीं

- रोज-रोज भ्रष्टाचार की नयी-नयी कहानी सामने आ रही है लखनऊ के नगर निगम की
- नगर आयुक्त अजय द्विवेदी पर हैं भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप
- कोरोना काल में लाशों को जलाने के लिये लायी गयी लकड़ियों को भेज दिया था राजभवन में अलाव के लिये
- राजधानी में इतनी कहानी के बाद भी कुर्सी पर जमे हुए हैं अजय द्विवेदी
- नगर निगम की दर्जनों गाड़ियां घूम रही हैं बिना नंबर के राजधानी में

क्षितिज कान्त

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में भ्रष्टाचार की रोजाना एक नयी कहानी सामने आती है। ताजा मामला चौंकाने वाला है। भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुके नगर निगम की दर्जनों गाड़ियां बिना नंबर प्लेट सड़कों पर फर्राटा भर रही हैं। इसके पहले भी नगर निगम अपने कारनामों से सुर्खियों में रहा है। खुद नगर आयुक्त अजय द्विवेदी पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं लेकिन नगर आयुक्त अभी भी कुर्सी पर जमे हैं।

एक ओर योगी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का दावा करती है दूसरी ओर उसकी नाक के नीचे ही लखनऊ नगर निगम भ्रष्टाचार के रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है। गाड़ियों में डीजल चोरी का मामला हो या कोरोना काल में सफाई के नाम पर लाखों-करोड़ों का घोटाला हो निगम अपने भ्रष्टाचार से सुर्खियों में रहता है। ताजा मामला बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर फर्राटा भर रही नगर निगम की गाड़ियों का है। यह हाल तब है जब नगर निगम दावा करता है कि उसने गाड़ियों को ट्रैक करने के लिए जीपीएस लगा दिया है। जीपीएस से केवल इतना पता चलेगा कि गाड़ी की लोकेशन कहां है लेकिन यह किस नंबर प्लेट की गाड़ी है इसका पता नहीं चल सकेगा। सवाल यह है कि यदि इन गाड़ियों से कोई हादसा होता है तो उसे कैसे चिन्हित किया जाएगा। ये गाड़ियां कचरा उठाने से लेकर अन्य कार्य करती हैं। ये गाड़ियां सीएम आवास के सामने से भी दनदनाते हुए चली जा रही हैं लेकिन इनको रोकने-टोकने वाला कोई नहीं है। साफ है कि नगर निगम में बड़ा खेल किया जा रहा है।

कौन दे रहा है नगर आयुक्त को संरक्षण

लगता है भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति की धार लखनऊ नगर निगम तक पहुंचते-पहुंचते कुंद हो जाती है। यहां के भ्रष्टाचार की तमाम सूचनाएं सरकार के पास हैं लेकिन मजाल नगर आयुक्त से जवाब-तलब किया गया हो। सरकार में बैठे अधिकारी और मंत्री आंख मूंदे बैठे हैं। ऐसे में सवाल यह है कि आखिर कौन है नगर आयुक्त का आका जो संरक्षण दे रहा है।

नगर विकास मंत्री भी नहीं पूछ पा रहे सवाल

नगर विकास मंत्री ऐके शर्मा बेहद सक्रिय हैं। सफाई से लेकर विभिन्न कामों पर नजर रखे हुए हैं लेकिन वे भी नगर आयुक्त से यह सवाल नहीं कर पा रहे हैं कि बिना नंबर प्लेट की नगर निगम की गाड़ियां सड़कों पर कैसे दौड़ रही हैं।

लाशों के अंतिम संस्कार को आयी लकड़ियों में भी कर दिया था खेल

कोरोना काल में लाशों के अंतिम संस्कार को आयी लकड़ियों को भी नगर निगम के भ्रष्टाचारियों ने नहीं छोड़ा। सर्दियों में अलाव जलाने के लिए इन लकड़ियों का इस्तेमाल किया गया। हिम्मत यह कि इन लोगों ने लकड़ियों को अलाव के लिए राजभवन तक गाड़ियों के जरिए भेज दिया। यह खेल तब किया गया जब अलाव के लिए सरकार अलग से नगर निगम को बजट देती है। अलाव का यह बजट कहां गया इसका पता अभी तक नहीं चला है। यह खबर जब 4पीएम में प्रकाशित की गयी तो राजभवन में हड़कंप मच गया था। राजभवन ने नगर आयुक्त से जवाब-तलब किया लेकिन न जांच बैठायी गयी न ही कोई कार्रवाई की गयी।

कंप्यूटर सहायक को बना दिया जोनल अधिकारी

यह लखनऊ नगर निगम ही है कि यहां जोन की जिम्मेदारी सीनियर अधिकारी को न देकर किसी दूसरे को दी जा रही है। नसलन, जोन चार की जिम्मेदारी किसी सीनियर अधिकारी की जगह कंप्यूटर ऑपरेटर या सहायक को दी गयी है। वह भी डेप्यूटेशन पर आए हैं।

महंगाई, बेरोजगारी व अपराध के खिलाफ आवाज उठाएंगे समाजवादी : अखिलेश

» जनता के सामने मुद्दों का लाउडस्पीकर बजवाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी महंगाई, बेरोजगारी व अपराध के खिलाफ आवाज उठाएंगे। जनता के सामने मुद्दों का लाउड स्पीकर बजवाएंगे। भाजपा की तरह राजनीति नहीं करेंगे। कहते हैं सबका साथ सबका विकास, मगर धरातल पर न साथ है और न ही विकास। यही नहीं जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। और ये लोग अजान और हनुमान चालीसा पर राजनीति कर रहे हैं, मुद्दों पर बात नहीं करते।

अखिलेश बोले हर धर्म का सम्मान करें, आपस में भाईचारा रखें। बेवजह किसी को न सताएं, बल्कि गरीबों की मदद करें। उन्होंने पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट पर करीब तीन लाख वोटों से जीत दर्ज करने पर शत्रुघ्न सिन्हा को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव की सभी सीटों पर भाजपा की हार बड़ा संकेत है। तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा ने आसनसोल लोकसभा से तीन लाख से भी अधिक वोटों के अंतर से भाजपा प्रत्याशी को हराकर जो ऐतिहासिक जीत हासिल की है उसके लिए उन्हें और ममता बनर्जी के कुशल नेतृत्व को हार्दिक बधाई। भाजपा का विधानसभा उपचुनाव की सभी सीटें हारना बड़ा संकेत है। चार राज्यों में हुए लोकसभा की एक और विधानसभा की चार सीटों पर भाजपा को करारी हार झेलनी पड़ी है। वहीं बिहार की बोचहां विधानसभा सीट राजद और महाराष्ट्र की कोल्हापुर उत्तर एवं छत्तीसगढ़ की खैरागढ़ विधानसभा सीटें कांग्रेस की झोली में गई हैं। इन सीटों पर 12 अप्रैल को वोट पड़े थे। गौरतलब है कि आसनसोल लोकसभा सीट तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा से छीनी है। यहां से तृणमूल प्रत्याशी पूर्व भाजपाई शत्रुघ्न सिन्हा ने भाजपा की अग्निमित्रा पॉल को 3 लाख से अधिक वोटों से हराया। सिन्हा करीब 3 साल बाद फिर से लोकसभा में कदम रखेंगे। 2019 में भाजपा ने सिन्हा को टिकट नहीं दिया था जिसके बाद वह पहले कांग्रेस और फिर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए। आसनसोल सीट भाजपा सांसद रहे बाबुल सुप्रियो के इस्तीफे से खाली हुई थी।

भाजपा के राज में आत्महत्या को मजबूर हैं किसान

नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में किसान के साथ सर्वाधिक अन्याय हो रहा है। महंगाई और कर्ज से किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। गेहूं की फसल लिए किसान क्रय केन्द्रों का पता खोजता मारा-मारा फिर रहा है। सरकारी विज्ञापनों में खुले कथित क्रय केन्द्रों में ही खरीद फरोख्त और भुगतान का नकली नाटक चल रहा है। किसान की फसल एमएसपी पर तो नहीं बिक रही, बिचौलियों के झोलों में भरी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान पर आफत की मार यही नहीं रुक रही है। कई जनपदों में खेतों में खड़ी फसल आग से जलकर राख हो गई। हर दिन हजारों बीघा फसल जल रही है, तबाही मची है लेकिन भाजपा सरकार ने पीड़ित किसानों की सुध नहीं ली। मुआवजा देना तो दूर मुख्यमंत्री ने खेतों की लगी आग और किसानों के पेट की आग बुझाने को कोई कदम नहीं उठाया।

टैबलेट बांटकर शिवपाल ने की योगी सरकार की तारीफ

» छात्रों के हित में सरकार का सही कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार की मुफ्त टैबलेट स्मार्टफोन योजना के तहत इटावा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जसवंतनगर के सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव पहुंचे और भाजपा सरकार की इस योजना की तारीफ की। उन्होंने इसे छात्रों के हित में सरकार का सही कदम बताया। शिवपाल ने कहा कि आज के युग में आत्मनिर्भर बनने के लिए टैबलेट और स्मार्टफोन बहुत जरूरी हो गए हैं।

बिना उच्च शिक्षा के बच्चों का भविष्य उज्जवल नहीं हो सकता। जसवंतनगर के विधायक और प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने इटावा के जमुना बाग में स्थित आईटीआई कॉलेज के 101 छात्र-छात्राओं को टैबलेट का वितरण किया। कार्यक्रम में 96 छात्रों और 5 छात्राओं को सरकार की तरफ से टैबलेट दिए गए। कार्यक्रम के दौरान विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि युवाओं को अपनी पढ़ाई में टैबलेट से काफी सहायता मिलेगी। वे इनका उपयोग अपने अध्ययन व तकनीकी ज्ञान में करेंगे और दुरुपयोग नहीं करेंगे। सरकार की यह योजना अच्छी है। उन्होंने कहा कि अब जमाना तकनीक और इंटरनेट का है। सरकार को सभी वर्गों को तकनीक से सुसज्जित करने के लिए खुलकर मदद करनी चाहिए। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों के भाजपा में शामिल होने के सवालों से टालते हुए उन्होंने कहा कि संगठन का काम शुरू हो चुका है। बता दें कि भाजपा में जाने की चल रही अटकलों के बीच प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने बड़ा फैसला लेते हुए तत्काल प्रभाव से पार्टी के अपनी सभी राष्ट्रीय और प्रांतीय इकाइयों को भंग कर दिया।

अस्पतालों में मरीजों से अभद्रता बर्दाश्त नहीं : पाठक

» केजीएमयू की घटना पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने मांगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। डिप्टी सीएम व प्रभारी मंत्री बृजेश पाठक ने यहां के एक मरीज से जुड़े मामले का संज्ञान लेते हुए रिपोर्ट तलब की है। साथ ही कहा कि अस्पतालों में मरीजों से अभद्रता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पतालों में मरीजों का ख्याल रखना डॉक्टरों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। मरीजों से सादगी से पेश आए, उन्हें किसी बात से आपत्ति है तो उन्हें बेहतर तरीके से समझाएं। आरोप है कि केजीएमयू में महिला मरीज के बेटे के साथ अभद्रता हुई है।

आजमगढ़ से आई 45 वर्षीय महिला की शिकायत पर तुरंत संज्ञान लेते हुए आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश जारी हुए है। दूसरी तरफ मरीज को भर्ती करके उसका इलाज किया जा रहा है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के मंत्री बृजेश पाठक ने ट्वीट कर इस मामले पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लिखा कि केजीएमयू में अपनी मां के इलाज कराने आएं एक बेटे के साथ अभद्र व्यवहार प्रकरण का तत्काल संज्ञान लेकर मैंने प्रकरण पर जिम्मेदार अधिकारियों से आख्या प्रस्तुत करने व जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

कविताएं हमारी सोच के करीब होती हैं

लोहिया पार्क के एमफी थियेटर में कवि सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि कविता हमें सच्चाई के करीब ले जाती है। कविताएं हमारी सोच के करीब होती हैं। शब्दों को कैसे पिरोया जाए, यह कवि करते हैं। जब लगता है यह तो हमारे ही मन की बात है तो तालियां बजती हैं। सामाजिक, राजनीतिक और सामयिक परिस्थितियों पर कवियों से बेहतर कोई कुछ नहीं कह सकता। कवि सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शायर प्रो. वसीम बरेलवी, मेरठ के कवि डा. हरिओम पंवार, जयपुर के कवि संजय झाला, प्रख्यात कवि डा. विष्णु सक्सेना, डा. सुरेश अवस्थी, डा. भुवन मोहिनी और गोविंद राठी ने अपनी रचनाओं से काव्य प्रेमियों को सुखद अनुभव दिया।

उत्तराखंड : भाजपा संगठन में बदलाव की चर्चाएं तेज

» अचानक देहरादून पहुंचे प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में बीजेपी सरकार बनने के बाद अब यहां संगठन में बदलाव की चर्चाएं तेज हैं। यहां पिछले कुछ दिनों से प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की चर्चाएं तेज थीं। इस बीच प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम के देहरादून दौरे ने इन चर्चाओं को हवा दे दी है। दुष्यंत देहरादून भी पहुंचे और उनकी पार्टी कार्यालय में लंबी मीटिंग भी हुई। मीटिंग के बाद पत्रकारों के सवाल पर दुष्यंत गौतम ने संगठन में बदलाव के मुद्दे पर गोलमटोल जवाब दिया।

दुष्यंत गौतम ने कहा कि संगठन में बदलाव का न कोई विचार है और न कोई इसको लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि संगठन के बदौलत ही पार्टी ने 47 सीटों के साथ सत्ता में दोबारा वापसी की है, इसलिए बदलाव करने का सवाल ही नहीं उठता। बीजेपी ऑफिस में करीब एक घंटे तक चली मीटिंग में बताया गया कि विधानसभा चुनाव में हारी हुई 23 सीटों की समीक्षा रिपोर्ट पर चर्चा हुई। बीजेपी ने मार्च अंतिम सप्ताह में अपने पदाधिकारियों को इन सीटों की समीक्षा के लिए भेजा था। दुष्यंत गौतम ने स्वीकारा कि इनमें कुछ सीटों पर अनुशासहीनता की बात सामने आई है। लिहाजा पूरा मामला पार्टी की अनुशासन समिति को सौंप दिया गया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

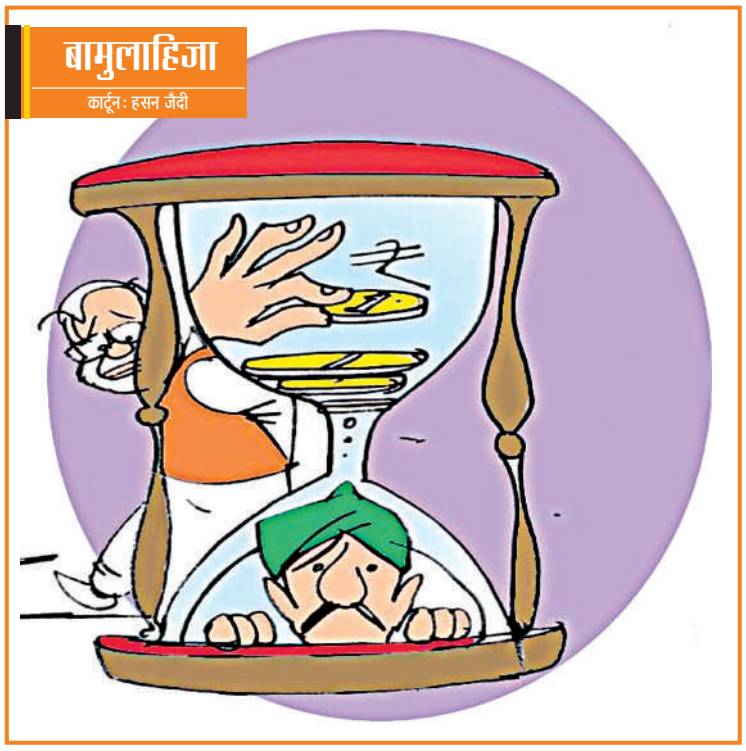

स्वरोजगार पर यूपी सरकार का फोकस

» 100 दिन में 21000 करोड़ रुपए ऋण वितरण का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रोजगार सृजन योगी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में है। सरकार न सिर्फ विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को तेजी से भरना चाहती है बल्कि स्वरोजगार पर भी उसका फोकस है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत वित्त विभाग ने अगले 100 दिनों में 21000 करोड़ रुपए के ऋण प्रवाह की योजना तैयार की है। रोजगार सृजन को गति देने के लिए योगी सरकार स्वयं सहायता समूहों, रेहड़ी-पटरी दुकानदारों, किसान क्रेडिट कार्डधारकों, मत्स्य पालकों तथा सूक्ष्म, लघु व मध्यम दर्जे के उद्योगों को ऋण मुहैया कराने पर जोर दे रही है।

महानिदेशक संस्थागत वित्त शिव सिंह यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर विभाग ने अगले 100 दिनों, छह माह और पांच वर्षों के दौरान ऋण प्रवाह की कार्ययोजना तैयार की है। 100 दिनों में जहां 21000 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराने की योजना है, वहीं अगले छह माह के दौरान स्वरोजगार को गति देने के लिए 51000 करोड़ रुपये के कर्ज उपलब्ध कराने का इरादा है। आगामी पांच वर्षों में दो लाख करोड़ रुपये के ऋण वितरण का खाका खींचा गया है। इसके लिए प्रदेश में बैंकिंग सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। आगामी एक वर्ष में प्रदेश में जहां 700 नई बैंक शाखाएं खोलने की योजना है, वहीं अगले छह माह में 7000 नए बैंकिंग आउटलेट खोले जाएंगे।

पांच साल में पांच करोड़ रोजगार

मंत्रिपरिषद के समक्ष अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास सेक्टर के 11 विभागों की कार्ययोजनाओं के प्रस्तुतीकरण के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अगले पांच वर्ष में बैंकों के सहयोग से प्रदेश के वार्षिक क्रेडिट को पांच लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का प्रयास हो। इससे लगभग पांच करोड़ रोजगार सृजित होंगे। अगले तीन माह में एक वृहद ऋण मेले का आयोजन हो, जिसमें बैंकों के माध्यम से न्यूनतम एक लाख उद्यमियों को लोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखें।

शिवपाल को मनाने के मूड में नहीं सपा हाईकमान

अगले हफ्ते कर सकते हैं बड़ा ऐलान, प्रसपा प्रमुख की भाजपा में जाने की अटकलें

» बेटे आदित्य के भविष्य को लेकर चिंतित है प्रसपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव कुनबे के एक और सदस्य शिवपाल सिंह यादव के भाजपा में जाने की अटकलें जोरों पर हैं। राजनीति के जानकारों का यहां तक कहना है कि शिवपाल के जाने की पटकथा करीब-करीब लिखी जा चुकी है। वहीं सपा हाईकमान भी उन्हें मनाने के मूड में नहीं है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि शिवपाल 19 अप्रैल या इसके बाद यह कदम उठा सकते हैं। हालांकि शिवपाल या भाजपा पदाधिकारियों में किसी ने भी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। प्रसपा की राज्य कार्यकारिणी भंग होने के बाद फिलहाल चर्चाओं का बाजार फिर गर्म हो गया।

अटकलें लगाई जा रही है कि शिवपाल यादव भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर लगातार शिवपाल यादव सुर्खियों में रहे। अटकलें चलीं कि 19 अप्रैल को वह दिल्ली में भाजपा मुख्यालय पर अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता लेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान की मौजूदगी में यह ज्वाइनिंग होंगी। यह भी चर्चा उड़ी कि उनके बेटे आदित्य यादव भी भाजपा का दामन थामेंगे। सूत्रों के मुताबिक इन चर्चाओं के बावजूद सपा शिवपाल को रोकने के मूड में नहीं है। तकनीकी रूप से वह जसवंत नगर से सपा के विधायक हैं लेकिन चुनाव से पहले प्रसपा और सपा के बीच गठबंधन हुआ था, विलय नहीं।

बेटे व हजारों समर्थकों के साथ शामिल होंगे भाजपा में

समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य शिवपाल सिंह यादव ने अपना अगला कदम लगभग तय कर लिया है। उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव के बाद से ही समाजवादी पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे शिवपाल सिंह यादव ने अपनी अलग पार्टी भी बना ली थी, लेकिन 2022 के विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के सिंबल पर विधायक बनने वाले खांटी नेता अब भारतीय जनता पार्टी में जल्द शामिल हो सकते हैं। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद अब नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के छोटे भाई शिवपाल सिंह यादव के भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की चर्चा तेज हो गई है। शिवपाल सिंह यादव जल्द भाजपा की सदस्यता लेने की संभावना जताई जा रही है। शिवपाल यादव अपने पुत्र आदित्य यादव और हजारों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ले सकते हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र की मौजूदगी में शिवपाल सिंह यादव अपने बेटे आदित्य यादव तथा समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे।

शिवपाल के मामले में सपा पूरी तरह चुप

सपा के कुछ नेताओं का मानना है कि विधान सभा चुनाव से पहले शिवपाल के सपा के साथ आने से पहले पार्टी को कोई खास फायदा नहीं हुआ। भविष्य में भी इस लिहाज से उनसे बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं की जा सकती। उल्टे उनकी मौजूदगी से नुकसान होने की ज्यादा आशंका है इसलिए सपा न तो उन्हें भाजपा में जाने से रोकेगी और न ही चले गए तो इस पर कोई कड़ी प्रतिक्रिया देगी। विधान सभा चुनाव से पहले मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा विष्ट के भी भाजपा में जाने पर सपा नेतृत्व ने बड़ी ही सधी प्रतिक्रिया दी थी।

शिवपाल के माध्यम से बड़ा लाभ लेने के प्रयास में भाजपा

चाचा शिवपाल सिंह यादव तथा भतीजे अखिलेश यादव के बीच लड़ाई का लाभ भाजपा को मिल सकता है। भाजपा शिवपाल के सहारे समाजवादी पार्टी के खिलाफ बड़ा रणनीतिक दांव चल सकती है। माना जा रहा है कि शिवपाल यादव की भाजपा से बढ़ती नजदीकी उन्हें विधान सभा उपाध्यक्ष की कुर्सी पर बैठा सकती है। यदि ऐसा होता है तो शिवपाल सदन में अपने भतीजे और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के नजदीक बैठेंगे। विधान सभा उपाध्यक्ष की सीट सदन में ठीक नेता प्रतिपक्ष के बगल में ही होती है।

प्रसपा की राज्य कमेटी और प्रकोष्ठ भंग

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) की राज्य कमेटी और अन्य प्रकोष्ठ की सभी कार्यकारिणी फिलहाल भंग कर दी गई है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव ने यह निर्णय लिया और कहा कि जल्द आगे की रणनीति तय की जाएगी। प्रसपा के इस कदम के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। प्रसपा संस्थापक शिवपाल सिंह यादव भले ही सपा से विधायक चुने गए हैं पर पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से उनकी दूरी व नाराजगी साफ नजर आ रही है। चाहे सपा की बैठकों में शिवपाल की अनुपस्थिति हो या दिल्ली में मुलायम सिंह से उनकी मुलाकात, सभी पर तमाम सवाल खड़े हुए। पिछले कुछ दिनों से शिवपाल की भाजपा से नजदीकियां भी साफ नजर आ रही हैं। ऐसे में प्रसपा ने पूरी कार्यकारिणी भंग कर सियासी हवा को तेज कर दिया है। सवाल है कि क्या कार्यकारिणी का दोबारा गठन हो पाएगा या फिर पूरी तरह से भाजपा के साथ हो लिया जाएगा। हालांकि पार्टी की राष्ट्रीय कमेटी को अभी भंग नहीं किया गया है।

अब भाजपा के घोषणापत्र को जमीन पर उतारने की तैयारी में जुटे मंत्रालय

» सभी विभाग को संकल्प पत्र की घोषणाओं पर फोकस करने के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत से सत्ता में लौटी योगी सरकार अब अपने संकल्प पत्र को जमीन पर उतारने में जुट गयी है। इसके लिए सभी मंत्रालयों को निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत अफसरों ने खाका तैयार कर लिया है और वे सीएम के सामने प्रेजेंटेशन भी दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के घोषणापत्र में किए वादों को जमीन पर उतारने के लिए अनोखा प्रयोग शुरू किया है। यूपी को विभागीय आधार पर दस सेक्टरों में बांट कर सीएम योगी ने सभी विभागों के मंत्रियों और अफसरों को लगा दिया है। इस संबंध में सीएम योगी के सामने 22 अप्रैल तक सभी विभागीय अफसर अपना प्रेजेंटेशन देंगे। कृषि सेक्टर और औद्योगिक एवम अवस्थापना सेक्टर के प्रेजेंटेशन पूरे हो गए हैं। सभी विभाग 100 दिन की कार्ययोजनाएं तैयार कर रहे हैं। इसके बाद फिर छह माह की कार्ययोजनाएं तैयार होंगी। इन प्रेजेंटेशन का उद्देश्य रोजगार सृजन और महिला सशक्तीकरण है। दस सेक्टरों में बांटकर अलग-अलग विभागों का प्रेजेंटेशन होगा। इसमें सभी विभागों के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार की जा रही है। ये कार्ययोजनाएं घोषणापत्र में किए गए वादों को ध्यान में रख कर तैयार की जा रही हैं। इनमें रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण एवम उत्थान और लोक कल्याण पत्र के बिंदुओं को ध्यान में रखकर कार्ययोजनाएं बन रही हैं। सीएम योगी आज सामाजिक सुरक्षा सेक्टर के अंतर्गत 7 विभागों का प्रेजेंटेशन लिया। इसमें समाज कल्याण, महिला कल्याण, श्रम और अल्पसंख्यक कल्याण शामिल हैं। 19 अप्रैल को चिकित्सा और स्वास्थ्य का प्रस्तुतीकरण होगा, इसमें कुल 5 विभागों का प्रेजेंटेशन होगा। इसमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य में चिकित्सा चिकित्सा शिक्षा और आयुष विभाग शामिल हैं। 20 अप्रैल को ग्राम्य विकास सेक्टर का प्रेजेंटेशन होगा। ग्राम्य विकास सेक्टर में पांच विभाग ग्राम विकास, पंचायती राज, राजस्व का प्रेजेंटेशन होगा। 21 अप्रैल को नगरीय विकास सेक्टर और पर्यटन संस्कृति का प्रेजेंटेशन होगा जिसमें नगरीय विकास सेक्टर में संस्कृति पर्यटन आवास शहरी नियोजन नगर विकास पर्यावरण विभाग होंगे। वहीं 22 अप्रैल को शिक्षा के अंतर्गत शिक्षा माध्यमिक शिक्षा उच्च शिक्षा सेक्टर का प्रेजेंटेशन होगा।

अफसर बना रहे रणनीति, सीएम खुद देख रहे प्रेजेंटेशन

संकल्प पत्र के अहम वादे

- 10 लाख रोजगार और स्वरोजगार के मौके ।
- 2000 नई बसों के माध्यम से सभी गांवों में बस की सुविधा।
- पूरे प्रदेश में अन्नपूर्णा कैंटिन।
- काशी, मेरठ, गोरखपुर, बरेली, झांसी और प्रयागराज में मेट्रो।
- सभी निर्माण श्रमिकों को मुफ्त जीवन बीमा।
- दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों का पेंशन 1500 रुपये प्रतिमाह।
- हर परिवार में कम से कम एक रोजगार या स्वरोजगार का अवसर।
- 2 करोड़ टैबलेट या स्मार्टफोन किए जाएंगे वितरित।
- किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली।
- गन्ना किसानों को 14 दिन के अंदर भुगतान, देरी होने पर ब्याज सहित भुगतान।
- कॉलेज जाने वाली हर महिला को मुफ्त स्कूटी।
- उज्जवला के सभी लाभार्थी को होली और दीपावली में मुफ्त एलपीजी सिलेंडर।
- कन्या सुमंगला योजना को 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार।
- गरीब परिवार की बेटियों के विवाह के लिए 1 लाख रुपये की आर्थिक मदद।
- हर विधवा और निराश्रित महिला को 1500 रुपये प्रति माह का पेंशन।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्रदेश में अपराधों पर लगाम कब?

सवाल यह है कि अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति और ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? क्या पुलिस की लचर कार्यप्रणाली के कारण हालात बदतर हो रहे हैं? महिला अपराधों का ग्राफ क्यों बढ़ रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने तंत्र को पंगु बना दिया है? खुफिया विभाग आखिर क्या कर रहा हैं?

प्रदेश में अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। बदमाश आए दिन जघन्य वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और तमाम दावों के बावजूद पुलिस अपराधों को रोकने में नाकाम हो रही है। प्रयागराज में एक दिन में सात लोगों की हत्याओं ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति और ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? क्या पुलिस की लचर कार्यप्रणाली के कारण हालात बदतर हो रहे हैं? महिला अपराधों का ग्राफ क्यों बढ़ रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने तंत्र को पंगु बना दिया है? खुफिया विभाग आखिर क्या कर रहा हैं? अपराधियों को पकड़ने में पुलिस के पसीने क्यों छूट जाते हैं? क्या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी की वजह से कानून व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो पा रही है? क्या अपराधी और पुलिस के गठजोड़ ने भी हालात को बेकाबू कर दिया है?

प्रदेश में आए दिन हत्या, लूटपाट, बलात्कार जैसे अपराध हो रहे हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी आयी है। अपराधियों के लिए महिलाएं साफ्ट टारगेट बन गयी हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थीं जिसमें 15,828 शिकायतें अकेले यूपी से थीं। इसमें हत्या से लेकर घरेलू हिंसा तक शामिल हैं। इसमें दो राय नहीं कि पुलिस की लापरवाह कार्यप्रणाली के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। वे अपराध कर आराम से फरार हो जाते हैं और पुलिस हाथ मलती रह जाती है। हालत यह है कि अपराधों की संख्या कम दिखाने के लिए एफआईआर दर्ज करने तक में कोताही बरती जाती है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब कोर्ट के आदेश के बाद एफआईआर लिखी गयी है। कई बार पुलिसकर्मी पीड़ित पर आरोपी से समझौते का दबाव बनाते हैं। खुफिया तंत्र के बावजूद पुलिस को संगठित अपराधों की भनक तक नहीं लग पाती है। ऐसे भी प्रकरण सामने आए हैं जब पुलिस और अपराधियों के गठजोड़ से अपराधों को अंजाम दिया गया है। जाहिर है, ऐसी स्थिति में प्रदेश में अपराधों पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। यदि सरकार चाहती है कि अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति हकीकत में बदले तो उसे पूरे पुलिस तंत्र में बदलाव करना होगा। पुलिस को न केवल अपराधियों से निपटने में दक्ष बनाना होगा बल्कि अपराधियों से इनके गठजोड़ को भी खत्म करना होगा। भ्रष्टाचार पर भी नकेल कसनी होगी। सरकार को यह समझना होगा कि बेहतर कानून व्यवस्था लोकतंत्र की पहली शर्त है और इसके बिना प्रदेश में न तो निवेशक आएंगे न ही विकास होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ती महंगाई से राहत जरूरी

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च, 2022 में खुदरा मुद्रास्फीति 6.95 फीसदी पर पहुंच गयी, जो फरवरी में 6.07 फीसदी थी। लगातार तीसरे महीने खुदरा मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक के सहज स्तर छह फीसदी से ऊपर है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से जिंसों की कीमतों में तेजी आयी है। चीन में कोविड-19 लॉकडाउन के कारण उत्पादन में कमी आयी है। ऐसे अनेक कारणों से महंगाई बढ़ रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, तुर्की, पाकिस्तान आदि देशों में भारत की तुलना में कई गुना अधिक महंगाई है फिर भी, भारत में महंगाई से आम आदमी से लेकर अर्थव्यवस्था की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में धीरे-धीरे वृद्धि करने की जो रणनीति अपनायी है, उससे कीमतों में 10 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि हो चुकी है। पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों के कारण 137 दिनों तक पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रहीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत का क्रूड बास्केट 12 अप्रैल को 102 डॉलर प्रति बैरल से भी अधिक हो गया है। चूंकि, मार्च से कीमतों में धीरे-धीरे इजाफा किया गया है इसलिए मुद्रास्फीति पर इसका असर सीमित रहा, लेकिन जिंसों के ऊंचे दामों और कमजोर रुपये के कारण मुद्रास्फीति 2022-23 की पहली तिमाही उच्च स्तर पर बनी रह सकती है। पेट्रोल व डीजल की कीमतें बढ़ने से गरीब व मध्यम वर्ग की मुश्किलें बढ़ रही हैं। इससे आर्थिक पुनरुद्धार को झटका लग रहा है। वस्तुत: महंगाई एक छिपे हुए प्रतिगामी कर की तरह है। इससे उद्योग-कारोबार का मुनाफा कम होता है, जिसका सीधा असर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर पड़ता है। चूंकि, उद्योग-कारोबार कीमतों का बोझ अंतिम उपभोक्ता पर डालते हैं, अतएव इससे उपभोक्ताओं की खर्च करने वाली आय कम होती है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से बजट घाटे में वृद्धि होगी। वर्ष 2022-23 का केंद्रीय बजट यूक्रेन संकट के पहले तैयार हुआ है।

बजट तैयार करते समय कच्चे तेल की कीमत 70-75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान था। ऐसे में अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई-जनित मंदी की आशंका भी है। अगर कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रहती है तो भारत का चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के एक प्रतिशत तक बढ़ सकता है। अच्छी

कृषि पैदावार खाद्य पदार्थों की कीमतों के नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। देश में फरवरी, 2022 में चावल और गेहूं का केंद्रीय भंडार करीब 54 मिलियन टन था। यह देश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए आवश्यकता से अधिक है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सार्वजनिक राशन प्रणाली में जनवरी, 2022 तक 77 करोड़ से अधिक लाभार्थी जुड़े। इस प्रणाली को डिजिटल बनाने से तकरीबन 19 करोड़ अपात्र लोगों को बाहर किया गया है। यह संख्या कुल 80 करोड़ लाभार्थियों की करीब एक चौथाई है। महामारी शुरू होने के बाद मोदी सरकार ने अप्रैल, 2020 में गरीबों को मुफ्त राशन देने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की शुरुआत की थी। यह योजना महंगाई की मार को कम करने में भी राहतकारी दिखाई दे रही है। संवेदनशील दलहनों और खाद्य तेल कीमतों में बढ़ोतरी को नियंत्रित किया जा रहा है। भारत के पास अप्रैल 2022 में करीब 610 अरब डॉलर का विशाल विदेशी मुद्रा भंडार है। चालू खाते का घाटा काफी कम है। आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति की समीक्षा की है। इसमें केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया, मगर यह संकेत दिया कि वह अब आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के बजाय महंगाई पर अधिक ध्यान देगा। आरबीआई ने आर्थिक वृद्धि का अनुमान भी कम कर दिया है, जबकि मुद्रास्फीति अनुमान बढ़ा दिया है। कोविड-19 का महंगाई से सीधा संबंध है. अतएव पूर्ण टीकाकरण व बूस्टर खुराक पर पूरा ध्यान जरूरी है। कालाबाजारी पर नियंत्रण करना होगा। कच्चे तेल के वैश्विक दाम में तेजी के बीच तेल विपणन कंपनियों की एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम में दिलचस्पी और बढ़ानी होगी। सरकार को ऐसे कदम उठाने चाहिए जो ग्राहकों को पेट्रोल-डीजल की महंगाई से बचाये रखें। सरकार कच्चे तेल की कीमतों में हो रही वृद्धि को रोकने के लिए सामरिक सुरक्षित भंडार से कच्चा तेल जारी करने पर भी विचार कर सकती है। उम्मीद है कि सरकार आम आदमी और अर्थव्यवस्था को महंगाई के खतरों से बचाने के लिए तेजी से आगे बढ़ेगी।

महंगी रसोई गैस ने आम आदमी को कर दिया बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में महंगाई चार गुना रफ्तार से बढ़ती जा रही है मगर केंद्र व प्रदेश सरकार इस पर लगाम नहीं लगा पा रही है। पेट्रोल, डीजल व सिलेंडर के दाम आसमान छू रहे हैं। गरीब तबका रसोई गैस के बढ़ते दामों से परेशान हैं। इसके बावजूद गैस की कीमत बढ़ाने पर सरकार उतारू है। 4पीएम के संवाददाता क्षितिज कान्त ने जब इस मुद्दे पर लखनऊवासियों से बात की तो उन्होंने कुछ इस तरह जाहिर की अपनी चिंता।

विपिन यादव

शिवम

विकास शर्मा

सरिता पांडेय

मान सिंह

विपिन यादव का कहना है कि महंगाई के दौर में सिलेंडर के बढ़ते दामों ने आम आदमी की जेब पर खर्च बढ़ा दिया है। पहले 900 रुपए के सिलेंडर पर 300 रुपए की सब्सिडी आती थी और अब 987 रुपए 50 पैसे का सिलेंडर मिल रहा, सब्सिडी भी नहीं मिलती। अगर 1000 रूपए का सिलेंडर खरीदेंगे तो बाकी चीजें भी तो महंगी है, वह कहां से लाएंगे। इससे बजट बिगड़ गया है। जिस हिसाब से महंगाई बढ़ रही है उस हिसाब से वेतन आधा हो गया है। जहां महीने में लगभग 8000 रूपए घर का खर्च आता था वह बढ़कर 15000 रुपए हो गया है। नींबू, पेट्रोल , डीजल, सभी के दाम तो बढ़ रहे है लेकिन आमदनी नहीं बढ़ रही है। ऐसे ही हालात रहे तो वो दिन दूर नहीं जब हमारे भी हालात श्रीलंका जैसे हो जाएंगे।

शिवम कहते हैं कि आने वाले समय में मध्यम वर्ग के लिए महंगा सिलेंडर ले पाना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह दिन दूर नहीं, जब आदमी सिलेंडर छोड़कर लकड़ी से चूल्हे पर खाना बनाने लगेगा। महंगे पेट्रोल, डीजल के कारण आदमी पैदल या साइकिल से जाना शुरू कर देगा। सरकार ने फ्री सिलेंडर दिया लेकिन 1000 रुपए रसोई गैस का दाम कर दिया। आम आदमी को सिलेंडर भरवाने में पसीने छूट जा रहे हैं। आदमी एक बार गैस भरवाता है उसके बाद दोबारा उसकी हिम्मत जवाब दे जाती है। ऐसे में वह लकड़ी पर ही खाना बनायेगा। जो वेतन मिल रहा था उसमे बढ़ोतरी की जगह कमी हो गई है।

विकास शर्मा ने कहा, पूरे उत्तर प्रदेश में सिलिंडर के रेट महंगे हैं। महंगाई यूक्रेन और रूस के युद्ध के वजह से बढ़ रही है। महंगाई के वजह से आर्थिक व्यवस्था पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। भारत सरकार से अपील है महंगाई में कुछ रियायत करे। महंगाई के कारण मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए सिलेंडर भरा पाना बहुत मुश्किल हो रहा है। महंगाई में इजाफा हो रहा है और आम आदमी की आय वही है। महंगाई और बेरोजगारी बहुत बढ़ रही है। इस पर भी लगाम लगना चाहिए।

सरिता पांडेय ने कहा कि मैं एक घरेलू महिला हूं। प्राइवेट नौकरी है जिसमें ज्यादा वेतन नहीं मिलता, काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हर चीज के तो रेट बढ़ रहे हैं, एक दम से बजट बिगड़ गया है। हर चीज में दिक्कतें हो रही हैं। बच्चों को पढ़ाना-लिखाना मुश्किल हो रहा है। घर चलाने में बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

मान सिंह ने कहा, प्रधान मंत्री ने उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर वितरित किए थे मगर गैस इतनी महंगी हो गयी है कि रसोई में सिलेंडर यूं ही रखे हैं। गांवों में हालात और भी बुरे है। महंगाई बढ़ा दी। उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य है। यहां चुनाव से पहले दाम घटा दिया गया लेकिन चुनाव खत्म होते ही दाम एकदम से बढ़ा दिया गया। महंगाई का कोई विरोध नहीं कर सकता है क्योंकि रोज कमाने और खाने वाले लोग हैं, अगर विरोध करेंगे तो उनके बच्चे भूखे रह जाएंगे। रुपए कमाने के लिए आदमी दिन भर घूमता रहता है । रोजगार के साधन कम होते जा रहे हैं। पांच किलो राशन फ्री में दिया जा रहा है लेकिन महंगाई को चार गुना बढ़ गयी है। इसके कारण आम जनता परेशान है। लोगों के पास काम नहीं है।

गर्मियों में है घूमने का प्लान तो

अपने बैग में जरूर रख लें ये सामान

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप से पसीना, थकान जैसी कई समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में ट्रेवल करना बेहद मुश्किल भरा होता है। गर्मी के इस सीजन में अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं और यात्रा के दौरान होने वाली ऐसी परेशानियों से बचना चाहते हैं तो बैग पैक करते समय इन चीजों को जरूर रख लें।

रूमाल और गीले वाइप्स

गर्मी के मौसम में पसीने के कारण इंफेक्शन हो सकता है, ऐसे में अपने साथ तौलिया और वेट वाइप्स जरूर रखें। समय-समय पर इनकी मदद से स्किन को साफ करते रहें। ऐसा करने से इंफेक्शन होने का खतरा कम होगा।

स्कार्फ, टोपी

तेज धूप आपके सिर दर्द की वजह बन सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने बैग में टोपी या स्कार्फ जरूर रखें। यह न केवल आपके चेहरे को प्रोटेक्ट करता है, बल्कि गर्मी से आपके सिर को ठंडा रखने में भी मदद करता है।

बॉडी परफ्यूम

गर्मियों में हमें ज्यादा पसीना आता है, ऐसे में आपको अपने बैग में बॉडी परफ्यूम को जरूर शामिल करना चाहिए। पसीने की बदबू आते ही तुरंत इसे शरीर पर स्प्रे कर लें।

आरामदायक कपड़े

ट्रैवल के लिए बैग पैक करते समय ऐसे कपड़ों को जरूर रखें जो गर्मियों में आरामदायक हों। यात्रा के दौरान लूज कपड़े ही पहनें। इससे आपको गर्मी कम लगेगी और पसीना भी कम आएगा। सफर में सूती और आरामदायक कपड़ों को बैग में पैक कर लें।

सनस्क्रीन

टैनिंग से बचने के लिए सनस्क्रीन लोशन बेहद जरूरी है, ये आपकी स्किन को तेज धूप से बचाएगा। ऐसे में एक अच्छे एसपीएफ वाले सनस्क्रीन लोशन का इस्तेमाल करें।

सनग्लासेस

गर्मियों में ट्रैवल करते समय अपने बैग में धूप के चश्मे जरूर रख लें। आप न सिर्फ इसमें स्टाइलिश दिखेंगे बल्कि धूप से भी बचेंगे। इसकी मदद से आप अपनी आंखों को प्रोटेक्ट कर सकते हैं।

हंसना मना है

निक्की को दुखी देखकर किसी ने पूछा- क्यों टेंशन में हो? निक्कीः यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब उसे पहचान नहीं पा रही हूं।

मोनूः अगर मुझे दूसरा दिमाग लगवाने की जरूरत पड़ी तो मैं तुम्हारा दिमाग लगवाना चाहूंगा। राजूः मतलब तुम मानते हो कि मेरे पास जीनियस का दिमाग है? मोनूः नहीं, मुझे ऐसा दिमाग चाहिए जो पहले कभी यूज न हुआ हो।

दोस्तः तेरी गर्लफ्रेंड ने तुझसे ब्रेकअप क्यों किया? सचिनः तेरे ही कहने पर उसे चेन गिफ्ट की थी, इसलिए.. दोस्तः चेन चांदी की थी क्या? सचिनः नहीं साइकिल की।

टीलू की 2 करोड़ की लॉटरी निकली लॉटरीवालाः आपको टैक्स काटकर 1.75 करोड़ मिलेंगे। टीलूः ये गलत बात है, मुझे पूरे 2 करोड़ दो, नहीं तो मेरे टिकट के 100 रुपये वापस करो...

भाईः क्यों रो रही हो? बहनः मेरे नंबर बहुत कम हैं। भाईः कितने नंबर आए हैं? बहनः केवल 90 प्रतिशत। भाईः बहन रहम कर, इतने में तो हम जैसे तीन लड़के पास हो जाते हैं।

पिताजीः बेटा, जरा मेरे जूते लाना। बेटाः पिताजी, जूता एक लाना है या दोनों? पिताजी : पहले तो दोनों की जरूरत थी, अब तो तू एक ही लेकर आ।

कहानी — गहनों की चोरी

बादशाह अकबर के राज्य में एक व्यापारी आया। उसे गर्मी लगी तो उसने नदी पर स्थान करने की सोची। उसने अपने सारे गहने अपने कपड़ों के साथ कमरे के एक कोने में रख दिए और नहाने चला गया। जब वह नहा कर वापिस आया तो देखा कि उसके गहने गायब हैं। उसने अपने सभी नौकरों से पूछा, मगर ये जानने में असफल रहा कि किसने गहने चुराए हैं ? तब व्यापारी इस समस्या को सुलझाने के लिए अकबर के पास गया, अकबर ने यह समस्या बीरबल को दी। बीरबल ने व्यापारी को अगले दिन अपने सभी नौकरों के साथ दरबार में आने के लिए कहा। अगले दिन जब नौकर दरबार में आये तो बीरबल ने हर नौकर को एक छड़ी दी और कहाँ, मैं तुम सबको एक समान छड़ियाँ देता हूँ लेकिन ये छड़ियाँ जादुई हैं। जब ये किसी चोर के पास होती हैं तो एक दिन में एक इंच बढ़ जाती हैं। अगर तुमने अपने मालिक के गहने चुराए हैं तो तुम्हारी छड़ी कल तक एक इंच बढ़ जाएगी। इसलिए अब अपनी-अपनी छड़ी लेकर घर जाओ और कल मेरे पास आना। अगली सुबह दरबार लगा और व्यापारी व उसके नौकर अपनी-अपनी छड़ी के साथ पहुंचे। बीरबल ने सबकी छड़ियां लेकर उन्हें एक साथ रख दिया। उनमें एक छड़ी बाकी सबसे एक इंच छोटी थी। बीरबल ने व्यापारी से कहा जो नौकर यह छड़ी लेकर आया उसने ही घने चुराए हैं। उसने छड़ी को एक इंच काटकर छोटा कर दिया ताकि छड़ी के एक इंच बढ़ने पर इसका पता न लग सके और वह पकड़ा न जाये। बीरबल ने नौकरों को बताया, ये कोई जादुई छड़ियाँ नहीं थी लेकिन तुम्हें विश्वास हो गया इसलिए चोर ने छड़ी को एक इंच काट दिया। तभी उस नौकर ने अपना गुनाह कुबूल किया और चोरी किए जेवरात लौटा दिये।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपका अपने साथी के साथ किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है। ऐसे में जरूरत होगी कि आप गैर-जरूरी बातों पर ध्यान ना दें। इसके साथ ही अपने साथी पर गुस्सा होने से बचें।

वृषभ

इस राशि के जातकों की उनके पुराने पार्टनर से मुलाकात हो सकती है। इस मुलाकात से आपकी पुरानी यादें ताजा होगीं। आप उस व्यक्ति से दोबारा जुड़ाव महसूस कर सकते हैं,

मिथुन

अपने साथी से वियोग के चलते दुखी हैं। आज ऐसा हो सकता है कि आप उनसे दोबारा जुड़ाव महसूस करें। लेकिन आज के दिन आपकी उनसे मुलाकात नहीं होगी।

कर्क

आपके प्यार की राह में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। ऐसे में आप खुद को अपने साथी के और करीब महसूस करेंगे। इसके साथ ही आपके परिवार वाले भी आपकी बात से सहमत होंगे।

सिंह

आज आपको अपने पार्टनर और परिवार के लोगों से भी प्यार मिलेगा। इसके चलते आज आप पूरे दिन प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। इसलिए आज पूरे दिन का लुत्फ उठाएं।

कन्या

आज का दिन आपके लिए रोमांस के लिहाज से काफी अच्छा है। इसके अलावा आज आप उस व्यक्ति से मिल सकते हैं जो आपके प्रति आकर्षित है।

तुला

आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी, जो आपके लिए परेशानी का सबब साबित हो सकती है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा।

वृश्चिक

आज आपके लिए आय के नए स्रोत बनेंगे। आपकी व्यवसायिक स्थिति में सुधार होगा। आप एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे।

धनु

जल्दबाजी में फैसले न लें खासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक्त। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें।

मकर

अपने साथी और दोस्तों के साथ कुछ समय व्यतीत करें। आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।

कुम्भ

पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके खर्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। कुछ लोगों के लिए-परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा।

मीन

आज कोई भी लेन-देन सावधानी से करें। एकतरफा प्यार आपको निराश कर सकता है। नई योजनाएं आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का जरिया साबित होंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

विवेक अग्निहोत्री अब बनाएंगे द देलही फाइल्स!

विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' ने देश भर में तहलका मचा दिया। इस फिल्म की तारीफ भी हुई और आलोचना भी हुई। इस फिल्म की वजह से पूरे देश में कश्मीरी पंडितों की समस्या पर खूब चर्चा हुई। छोटे बजट की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन किया। अनुपम खेर, पल्लवी जोशी, मिथुन चक्रवर्ती और दर्शन कुमार ने इस फिल्म में लीड रोल प्ले किया है। अपनी फिल्म की सफलता से उत्साहित विवेक ने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि अब नई फिल्म पर काम करने का वक्त आ गया है। विवेक अग्निहोत्री ने ट्विटर पर अपनी एक फोटो शेयर कर लिखा कि 'मैं उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं जो द कश्मीर फाइल्स के साथ रहे हमने पिछले 4 बरसों में बहुत ईमानदारी के साथ मेहनत की है। हो सकता है कि मैंने आपके टाइम लाइन को स्पैम कर दिया हो, लेकिन कश्मीरी हिंदुओं के हुए नरसंहार और अन्याय के बारे में लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। मेरे लिए एक नई फिल्म पर काम करने का समय आ गया है। विवेक अग्निहोत्री के इस ऐलान के बाद लोग ये जानना चाहते हैं कि आखिर फिल्ममेकर अपनी अपकमिंग फिल्म में क्या दिखाएंगे। बता दें कि इस साल 11 मार्च को रिलीज हुई फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' में 1990 के समय में कश्मीर घाटी में कश्मीरी पंडितों के दर्द को सिल्वर स्क्रीन पर दिखा कर लोगों को रुला दिया। इस फिल्म को बॉलीवुड के कुछ लोगों ने समर्थन दिया तो कुछ लोगों ने आलोचना भी की। कहा जा रहा है कि विवेक अग्निहोत्री अब द देल्ही फाइल्स फिल्म बनाएंगे। फिलहाल अभी तक उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की है।

थम नहीं रहा केजीएफ 2 का तूफान

दूसरे दिन भी की रिकॉर्ड तोड़ कमाई

बॉक्स ऑफिस पर कन्नड़ सुपरस्टार यश की केजीएफ चैप्टर 2 की आंधी अब तूफान बन चुकी है। शुक्रवार को गुडफ्राइडे के दिन भी 'केजीएफ' ने हिन्दी पट्टी में अपना धुआंधार प्रदर्शन जारी रखा। सिर्फ हिन्दी वर्जन की ग्रॉस कमाई 2 दिन में ही 100 करोड़ से ऊपर निकल चुकी है। राजामौली की आरआरआर से इसकी तुलना करें तो केजीएफ 2 ने ओपनिंग के दूसरे ही दिन 231 करोड़ की टिकटें बॉक्स ऑफिस पर बेच डाली हैं। इस तरह एक कन्नड़ फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी सिक्का जमा दिया।

डायरेक्टर प्रशांत नील की इस फिल्म में यश, रवीना टंडन और संजय दत्त जैसे स्टार नजर आए, फिल्म ने पहले ही दिन जबरदस्त बिजनेस कर कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया। शुरुआती ट्रेंड्स की बात करें तो केजीएफ ने 88 करोड़ रुपए की नेट कमाई और 103 करोड़ रुपए की कुल कमाई भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शुक्रवार के दिन की है। अभी केजीएफ 2 से शनिवार और रविवार को खासे कलेक्शन की उम्मीद है। फिल्म का वीकेंड 4 दिनों का रहा, जिससे इसे काफी फायदा होगा।

आने वाले दिनों में अगर बॉक्स ऑफिस पर ऐसा ही नजारा रहा तो ये फिल्म वीकेंड में सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन जाएगी। जो कि उम्मीद की जा रही है कि 175 करोड़ के आसपास रहेगा।

किसी हिन्दी फिल्म का रिलीज के पहले वीकेंड पर सबसे ज्यादा कलेक्शन करने का रिकॉर्ड अब तक सलमान खान की फिल्म 'सुल्तान' के पास है, इस फिल्म ने रिलीज के पांचवे दिन पड़े रविवार तक 180.36 करोड़ रुपए कमाए थे।

मूल कन्नड़ संस्करण भी पहले दिन रिकॉर्ड तोड़ने के बाद यश की फिल्म अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखे हुए है। कन्नड़ संस्करण के बॉक्स ऑफिस नंबरों में अगले कुछ दिनों में उतार-चढ़ाव होने की संभावना है, जबकि दक्षिण भारत में बाकी डब किए गए संस्करण, विशेष रूप से तेलुगु, हाइस्ट लेवल पर प्रदर्शन कर रहा है।

साउथ | मसाला

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम मोहिना कुमारी बनीं मां

टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम मोहिना कुमारी मां बन गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेत्री ने बेटे को जन्म दिया है. हालांकि अभी तक उन्होंने इस बारे में कोई भी आधिकारिक अनाउंसमेंट नहीं की है।

मोहिना जल्द ही ऑफिशियल ऐलान कर सकती हैं। वह पिछले काफी वक्त से अपनी प्रेग्नेंसी फोटोशूट को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई थीं। अब आखिरकार मोहेना और सुयश माता-पिता बन गए हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर अपने फैंस को वर्चुअल बेबी शॉवर के लिए धन्यवाद किया था।

फैंस को अब मोहेना कुमारी के बच्चे की पहली झलक देखने का इंतजार है। मोहेना कुमारी के घर में गूंजी किलकारियों के बाद फैंस के बधाई देने का सिलसिला शुरू है। बेशक मोहिना ने कुछ समय के लिए टीवी से दूरी बना ली थी, लेकिन इसके बावजूद भी वह लगातार सुर्खियों में रहीं। मोहेना कुमारी ने 14 अक्टूबर 2019 को राजनेता और बिजनेसमैन सुयश रावत से शादी की। उत्तराखंड के बड़े राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले सुयश रावत सतपाल महाराज के बेटे हैं। बता दें कि मोहिना कुमारी डांस रिएलिटी शो डांस इंडिया डांस, कबूल है, दिल दोस्ती डांस और ये रिश्ता क्या कहलाता है में काम कर चुकी हैं। अब वह टीवी शोज से दूर हैं और अपने परिवार के साथ सारा वक्त बिताती हैं।

अजब-गजब | वैज्ञानिकों ने किया हैरान करने वाला खुलासा

खेती करने से घट गया इंसान का कद

माना जाता है कि आज से हजारों साल पहले इंसानों की लंबाई आज के मुकाबले अधिक हुआ करती थी। वहीं समय के साथ इस तरह का बदलाव अपने आप में एक सवाल है, कि आखिर इंसानों की लंबाई में इस तरह का बदलाव क्यों हुआ? इसी के बारे पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों की टीम ने एक रिसर्च की, जिसमें ये बात सामने आई कि लंबाई कम होने के पीछे की वजह हमारे पूर्वजों द्वारा खेती करना था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वैज्ञानिकों की टीम ने यूरोप में 167 प्राचीन लोगों के कंकाल के डीएनए का विश्लेषण किया है, जिसमें पता चला कि खेती करने के कारण इंसानों की औसत लंबाई 1.5 इंच कम हो गई थी। दरअसल, 12 हजार साल पहले यूरोप में खेती की शुरुआत हुई थी। वहीं खेती से पहले इंसान शिकार आदि करके जीवन यापन करता था। ऐसे में जब इंसानों ने अपनी जीवन शैली को फसलों की ओर किया तो लंबाई पर इसका असर हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि कम कद खराब स्वास्थ्य का प्रतीक है। इससे ये पता चलता है कि उस समय इंसानों को उचित विकास के लिए पर्याप्त पोषण नहीं मिले। दरअसल, इस रिसर्च का नेतृत्व पेंसिल्वेनिया के स्टेट कॉलेज में पेन स्टेट

यूनिवर्सिटी के मानव विज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर स्टेफनी मार्सिनियाक द्वारा किया गया था। प्रोफेसर मार्सिनियाक ने बताया है कि इस रिसर्च में प्राचीन व्यक्तियों की हड्डियों को मापने के साथ जेनेटिक योगदान भी शामिल था।उन्होंने कहा कि पूरे यूरोप में कृषि जीवन शैली से परिवर्तन एक साथ नहीं हुआ। ये परिवर्तन अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग समय पर हुआ। इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका की मानें तो, ग्रीस में खेती करने से इंसानों की लंबाई में प्रभाव लगभग 9 हजार साल पहले पड़ना शुरू हो गया था। जबकि, ब्रिटेन में भी अगले दो हजार वर्षों तक भी कोई प्रभाव देखने को नहीं मिला था।

इस रिसर्च में जिन 167 मानव कंकालों का अध्ययन किया गया था, वे सभी यूरोप के आसपास पाए गए थे, जिनमें से 67 महिलाएं और 100 पुरुष कंकाल थे, जो करीब 38 हजार से 2,400 साल पहले जीवित थे दरअसल, ये कंकाल रोमानिया, स्पेन, पोलैंड, ब्रिटेन, जर्मनी, हंगरी, लिथुआनिया, लातविया, चेक गणराज्य, क्रोएशिया, बुल्गारिया, नीदरलैंड, इटली, फ्रांस, आयरलैंड और स्कॉटलैंड आदि में पाए गए थे। शोधकर्ताओं को कंकाल के अवशेषों की लंबी हड्डियों से इंसान की लंबाई का सटीक अनुमान लगाने में मदद मिली। इससे ये बात सामने आई कि 7,100 से 3,500 साल पहले पूरे यूरोप में खेती करने से शरीर में परिवर्तन आने शुरू हुए थे। रिसर्च में पाया गया कि पहले इंसानों की लंबाई में 0.87 इंच का फर्क आया था, लेकिन बाद में ये औसत लंबाई 1.5 इंच तक कम हो गई। हालांकि, प्रोफेसर स्टेफनी मार्सिनियाक ने कहा है कि जहां अभी 167 कंकालों पर शोध किया गया है। वहीं, भविष्य में और भी अधिक कंकालों पर शोध करने की आवश्यकता है।

नागिन का इंतकाम! नाग को मारने वाले शख्स को सात बार डंस चुकी, हर बार बच गया युवक

फिल्मों में आपने नागिन के बदले वाली कहानियां देखी होंगी। इनमें जब नाग या नागिन में से किसी एक को कोई मार दे तो दूसरा उसकी मौत का बदला लेता है। ऐसा ही एक किस्सा उत्तर प्रदेश के रामपुर में चर्चा का विषय बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, यहां एक नागिन ने अपने नाग की हत्या का बदला लेने के लिए शख्स को 7 बार डंसा लेकिन वह शख्स हर बार जिंदा बच गया। इस घटना से हर कोई हैरान है। वहीं नागिन और शख्स का किस्सा इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, रामपुर के स्वार तहसील क्षेत्र के गांव मिर्जापुर निवासी एहसान उर्फ बबलू एक कृषि फार्म पर नौकरी करता है। सात महीने पहले उसका सामना एक नाग और नागिन से हुआ। एहसान ने लाठी का वार कर नाग को मार दिया लेकिन नागिन वहां से बचकर निकल गई। इसके बाद नागिन ने नाग का बदला लेने की ठान ली। एहसान और नागिन की कहानी किसी फिल्मी कहानी जैसी लगती है। नाग को मारने के बाद मौका मिलते ही नागिन ने एहसान को डंस लिया लेकिन समय पर इलाज मिलने से वह बच गया। कुछ दिन बाद नागिन ने फिर से शख्स पर हमला किया लेकिन इस बार भी वह बच गया। रिपोर्ट के अनुसार, नागिन ने एहसान ऊर्फ बबलू को सात बार डंसा लेकिन वो हर बार मौत को हराने में कामयाब रहा। अब नागिन के बदले की कहानी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। वहीं एहसान डर के साये में जीने को मजबूर है। उसे डर लगा रहता है कि पता नहीं कब नागिन कहां से आ जाए और उसे फिर से डंस ले। रिपोर्ट के अनुसार, एहसान का कहना है कि वो बेहद गरीब है और मजदूरी कर अपने परिवार को पालता है। 7 महीने पहले उसे दो सांप दिख थे। उसने एक को मारकर जमीन में गाड़ दिया था। इसके बाद से नागिन उसे कई बार डंस चुकी है है। वह उसे खेत में काम करने के दौरान सात बार डंस चुकी है। एहसान का कहना है कि उसके छोटे-छोटे चार बच्चे हैं और अब हमेशा डर के साये मे रहता है। उसका कहना है कि अगर उसे कुछ हो गया तो उसके परिवार का क्या होगा।

जहां तैनाती वहां रात में रुकें अधिकारी : सीएम

» भूमाफियाओं और भ्रष्टाचारियों पर कसें नकेल
» जनसमस्याओं का करें त्वरित निस्तारण
» मुख्यमंत्री ने गोरखपुर मंडल के अफसरों के साथ की समीक्षा बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसमस्याओं के तुरंत निस्तारण के लिए सभी अफसरों को रात में अपने तैनाती स्थल पर रुकने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पुलिस क्षेत्राधिकारी हर हाल में अपनी तैनाती वाली जगह पर रात में रुकें। बिना वजह मुख्यालय पर न जाएं। क्षेत्र में रहेंगे तो नागरिकों की समस्याएं तत्काल उन तक पहुंचेंगी और त्वरित निस्तारण भी होगा। अफसर समय से अपने कार्यालय में बैठें। जन समस्याओं के समाधान के लिए अफसर जनप्रतिनिधियों के साथ हर महीने बैठक करें और इसमें विकास कार्य व कानून-व्यवस्था मुद्दा हो। भूमाफिया पर नकेल कसें और भ्रष्टाचारियों पर कड़ी कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री
गोरखपुर

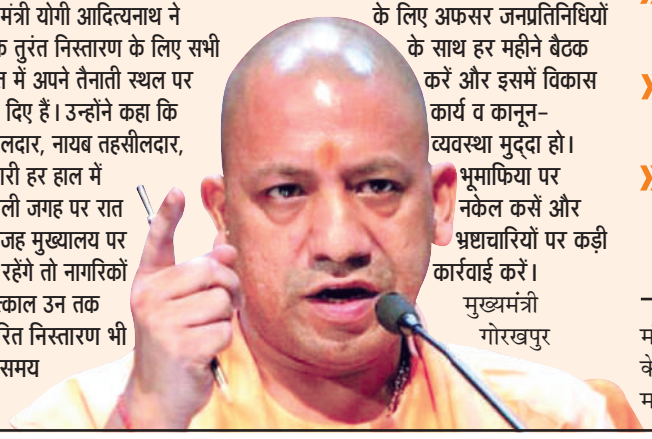

मंडलायुक्त कार्यालय में गोरखपुर मंडल के गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज के डीएम व पुलिस अधीक्षकों और गोरखपुर जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने 10 करोड़ और इससे ज्यादा लागत वाली योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का फोन जरूर रिसीव करें और उन्हें पूरा रिस्पांस करें। अफसर समस्याओं का समाधान करें और फोन पर नागरिकों को बताएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता दर्शन और वरिष्ठ अफसरों के पास ऐसी शिकायतें आती हैं जो थाना, ब्लाक और तहसील स्तर पर निपट सकती हैं। निचले स्तर पर प्रभावी कार्रवाई न होने के कारण नागरिकों को अपनी समस्याएं लेकर उच्चाधिकारियों के पास आना पड़ता है। जन समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित निस्तारण कराया जाए ताकि किसी को परेशान न होना पड़े। अपराधियों से सख्ती से निपटा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस बैंड इक्का-दुक्का स्थानों पर विशेष अवसरों पर बजाए जाते हैं। इससे बैंड से जुड़े लोग अपना कार्य ही भूल जाते हैं। इस व्यवस्था में बदलाव किया जाए। पुलिस बैंड का साप्ताहिक शेड्यूल बनाया जाए। हर शहीद व पर्यटन स्थलों के साथ ही महत्वपूर्ण स्थानों पर एक सप्ताह बैंड बजाएं और देश भक्ति की धुन बजाएं।

ट्रक और बोलेरो की टक्कर में छह की मौत, चार जख्मी

» सभी घायलों को भेजा गया लखनऊ के ट्रामा सेंटर
» बारात से लौट रहे थे बोलेरो सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। जनपद में रविवार की देर रात बारात से लौट रही बोलेरो गाड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई जबकि चार घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल गौरीगंज में भर्ती कराया गया है, जहां से चारों को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

रात सवा बारह बजे ट्रक और बोलेरो में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बोलेरो में सवार छह लोगों की मौत हो गई। तीन शवों की पहचान हो चुकी थी। चार घायल भी हुए हैं जिनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, सभी की हालत नाजुक है। मरने वाले सभी लोगों की पहचान हो गई है। इनमें अमेठी के गुड़रे गांव के 40 वर्षीय कल्लू, उसका आठ वर्षीय पुत्र सौरभ, शाहगढ़ के 30 वर्षीय कृष्ण कुमार सिंह, शिव मिलन निवासी नेवड़िया, वीररामपुर शाहगढ़ के रवि

तिवारी और पचेहरी गांव, गौरीगंज के त्रिवेणी प्रसाद शामिल हैं। चारों घायलों में पचेहरी निवासी मुकेश (13), अनुज (8), अनिल निवासी पूरे गनेसी गांव (26) और मुंशीगंज निवासी 22 साल का लवकुश है। चालक समेत सभी 10 लोग बोलेरो में सवार थे। बारात जायस के रोड पर कासिन पुर हाल्ट रेलवे क्रासिंग के पहले नावगजी गई थी। बताया जा रहा है कि बोलेरो में सवार सभी लोग रायबरेली के नसीराबाद क्षेत्र के किसी गांव से बारात से लौट रहे थे। बाबूगंज सगरा आश्रम के पास सामने से एक ट्रक आ रहा था। बोलेरो की रफ्तार भी तेज थी। दोनों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। घटना के बाद वहां कोहराम मच गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह व अन्य अधिकारी पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तीन गुना करें आवारा कुत्तों का बधियाकरण बनाएं नया संरक्षण केंद्र : संयुक्ता भाटिया

महापौर ने एनजीओ से भी सहयोग लेने का दिया निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महापौर संयुक्ता भाटिया ने शहर में बढ़ते आवारा कुत्तों की समस्या के निस्तारण को लेकर कई निर्देश दिए। उन्होंने शहर में एक नया स्वान संरक्षण केंद्र बनवाने और आवारा कुत्तों का तीन गुना बधियाकरण करने के निर्देश दिए हैं।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद राव ने बताया कि वर्तमान समय एक एनजीओ की सहायता से 80-85 आवारा कुत्तों का बधियाकरण किया जा रहा है, जिन्हें तीन दिन आइसोलेशन में रखने के बाद छोड़ते हैं। इस पर महापौर ने एक नया स्वान संरक्षण केंद्र खोलने के साथ ही जरहरा और शूटिंग रेंज के पास रहने वाले आवारा कुत्तों के बधियाकरण की संख्या को प्रतिदिन 300 यानी तीन गुना से अधिक करने के निर्देश दिए। साथ ही इसके लिए नगर आयुक्त से संसाधनों की आपूर्ति कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। अरविंद राव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार आवारा कुत्तों को पकड़कर रख नहीं सकते है। इस पर महापौर ने नगर आयुक्त को सुप्रीम कोर्ट में रिट फाइल करने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि रिट फाइल करते समय आवारा कुत्तों के कारण जनता को हो रही परेशानी से कोर्ट को अवगत कराया जाए। महापौर ने आवारा कुत्तों की समस्या के निस्तारण के लिए विभिन्न एनजीओ को साथ लाने के भी निर्देश दिए। बैठक में नगर आयुक्त और अपर नगर आयुक्त भी मौजूद रहे।

रामोत्सव में लिया हिंदू राष्ट्र बनाने का संकल्प

विहिप और संघ ने तय किया 2050 तक का एजेंडा

» वेदांती बोले, आतंकवाद को राम के अलावा कोई नहीं कर सकता खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कानपुर में आयोजित रामोत्सव के जरिए हिंदू राष्ट्र की भूमिका बांधी। निराला नगर स्थित रेलवे मैदान में हुए उत्सव में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की वेशभूषा में छह हजार से अधिक बच्चे और युवा पहुंचे और हिंदू राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया। आरएसएस और विहिप पदाधिकारियों ने जिस एजेंडे पर आगे कार्य करने का संकेत दिया, वह 2024 के लोकसभा चुनाव तक ही सीमित नहीं बल्कि वर्ष 2050 तक का है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य भैयाजी जोशी ने कहा कि रामराज्य की कल्पना को साकार करने के लिए राम का आदर्श और उनकी मर्यादा का भाव जरूरी है। सिर्फ सरकार में बैठे लोग ही नहीं आज के लोकतंत्र में जो भी राम को मानते हैं, वे आने वाले समय में हिंदू राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। विहिप के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव पर देश के विभिन्न राज्यों में जिस तरह से शोभा यात्राओं पर पत्थर पत्थर फेंके गए हैं, ऐसी नकारात्मक शक्तियों का नाश राम की इसी विचारधारा के जरिए संभव है। राम को मानने वाले हर व्यक्ति को यह संकल्प लेना होगा कि देश से ऐसी जेहादी मानसिकता समाप्त हो। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के वरिष्ठ सदस्य डा. रामविलास वेदांती ने कहा कि कलियुग में बहुत से रावण है, इन रावणों को खत्म करने के लिए हर गांव में राम की जरूरत है। आतंकवाद को राम के अलावा कोई और खत्म नहीं कर सकता। इसके अलावा साध्वी ऋतंभरा ने भी समारोह को संबोधित किया।

सभी को भाया पुष्पक विमान

विहिप द्वारा आयोजित रामोत्सव में कानपुर प्रांत के 21 जिलों के गांवों से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की वेशभूषा में छह हजार से अधिक बच्चे और युवा पहुंचे। इन्हें यहां बनाए गए 350 मीटर लंबे पुष्पक विमान पर बैठाया गया। सभी को यह बहुत भाया।

गाजीपुर : पहले पत्नी और दो बच्चों को मार डाला फिर लगा ली फांसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। जिले के सादात क्षेत्र में एक व्यक्ति ने पहले अपने दो बच्चों और पत्नी को मौत के घाट उतार दिया और फिर फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। घटना से सनसनी फैल गयी है।

बताया जा रहा है कि वार्ड नंबर दो निवासी शिवदास सोनकर उर्फ डब्लू (40) ने रविवार को मुर्गा बनाकर उसमें जहर मिला दिया। इसके बाद अपनी पत्नी रीना (35) और दो मासूम बच्चों राहुल (6) व पुत्री सेजल (4) को मौत के नींद सुला दिया। इसके बाद खुद को कमरे में बंदकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आज सुबह इसकी जानकारी तब हुई जब शिवदास के कमरे का दरवाजा नहीं खुला और उसके दोनों बच्चे कमरे से बाहर नहीं निकले। मृतक की भाभी बबिता जिन्हें रिश्तेदारी में निमंत्रण में जाना था, वे बच्चों से मिलने पहुंची। कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर उन्होंने खिड़की से झांककर देखा तो उनके होश उड़ गए। शिवदास फांसी पर लटका था। वहीं पत्नी व दो मासूम बच्चे बेड पर मृत पड़े थे। सूचना पर थानाध्यक्ष प्रवीण यादव सहित पूरी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। चारों शवों को थाने पर लाने के साथ ही विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं पुलिस के अनुसार शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ विधिक कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट सामने लाई जाएगी। प्रारंभिक तौर पर हत्या के बाद फांसी लगाने का मामला सामने आया है।

अब ऑनलाइन होगा डीएल टेस्ट घर भी पहुंचेगा : दयाशंकर सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो : सुमित कुमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आज से सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ हो गया है। इस हफ्ते में प्रदेश का परिवहन विभाग अपने कार्ययोजना को विस्तृत रूप देने के साथ ही प्रदेश में सड़क दुर्घटना को रोकने के प्रयास पर मंथन करेंगे। प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभाग के कार्य की सराहना करने के साथ नई योजनाओं के बारे में भी बताया।

प्रदेश में सड़क दुर्घटना को रोकने के प्रयास

सड़क सुरक्षा सप्ताह 18 से 24 अप्रैल तक चलेगा। प्रदेश में इस विशेष अभियान का उद्देश्य लोगों की यातायात के नियमों को लेकर जागरूक करना है। इसके शुभारंभ के बाद प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं के कारण प्रदेश में प्रति वर्ष हजारों लोग मौत के मुंह में जाते हैं। हम प्रयास करेंगे कि सड़क दुर्घटनाएं कम हों। उन्होंने कहा कि हम अब से हर वर्ष चार बार सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन कर लोगों को यातायात नियमों से पारंगत करने के साथ ही उनको सड़क पर सुरक्षा के उपाय की भी जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में चार करोड़ से अधिक वाहन पंजीकृत हैं। इन सभी पर बराबर नजर रखना काफी बड़ी बात हैं। मैं इसके लिए विभाग के लोगों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि मेरे विभाग काम बहुत ही सराहनीय है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि हम आज से प्रदेश में आनलाइन ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट प्रारंभ कर रहे हैं। यह विभाग का सराहनीय कार्य है। हमारा प्रयास है कि अब लोगों को अपने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आरटीओ आफिस ना आना पड़े। उनको बिना आफिस आए ही डीएल मिले।

बीजेपी संविधान को नहीं मानती : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा से गठबंधन कर यूपी चुनाव लड़ने वाले ओमप्रकाश राजभर ने आज लखनऊ में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि यूपी को चार भागों में बांट कर संगठन बनाएंगे। प्रेमचंद कश्यप यूपी के प्रदेश अध्यक्ष होंगे।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी संविधान को नहीं मानती। किस न्यायालय या किस सक्षम अधिकारी के आदेश से बुलडोजर चल रहा है। महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान भटकाने के लिए सरकार बुलडोजर को आगे कर रही है। नफरत की राजनीति बंद होनी चाहिए। आशीष मिश्रा मामले में हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। अजय मिश्र टेनी को नैतिकता के तहत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। हमारी पार्टी और संगठन में कोई भी बिखराव नहीं। हम सभी नेता एक साथ खड़े हैं। शिवपाल यादव हमारे साथ है वह अपने पार्टी का मजबूत संगठन बनाने जा रहे हैं। राजभर बोले कि अगर पांच लाख वोट और मिला होता तो हम सरकार में होते।

लखीमपुर में बीजेपी विधायक की गाड़ी ने दो को रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी जिले की सदर कोतवाली के रामापुर में देर रात विधायक लिखी काली स्कॉर्पियो ने बाइक सवार दो सगे भाइयों को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर मौत हो गई। दोनों भाई एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। एएसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि गाड़ी सदर विधायक योगेश वर्मा की है। गाड़ी को कब्जे में लिया गया है।

» दोनों सगे भाई थे, दर्दनाक हादसे में दोनों की मौत

खीरी थानाक्षेत्र के गांव कीरतपुर निवासी रवि (22) अपने बड़े भाई सुमित (28) के साथ रामापुर चौकी क्षेत्र के गांव महमदपुर में एक शादी में शामिल होने जा रहे थे। रामापुर में दोनों भाइयों ने बाइक में पेट्रोल भरवाया। इसके बाद दोनों भाई सड़क पर पहुंचे, तभी एक काली स्कॉर्पियो ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे दोनों गंभीर घायल हुए। एम्बुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। गाड़ी के ड्राइवर और चालक को कब्जे में लिया गया है। मृतक के परिजन से बातचीत की जा रही है। स्कॉर्पियो विधायक योगेश वर्मा की पत्नी के नाम से रजिस्टर्ड है। बताया जा रहा है कि जिस समय ये हादसा हुआ, उस समय विधायक योगेश वर्मा गाड़ी में सवार नहीं थे।

लखनऊ समेत सात जिलों में मास्क अनिवार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीएम योगी ने कोरोना को लेकर जारी किए नए निर्देश

लखनऊ। यूपी की सीमा से लगे कुछ राज्यों में कोविड के केस में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। एनसीआर के जिलों में भी इसका खासा प्रभाव है। बीते कुछ दिनों से लखनऊ सहित कई जिलों में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। विगत 24 घंटे में गौतमबुद्ध नगर में 65, गाजियाबाद में 20 और लखनऊ में 10 नए पॉजिटिव मरीजों की पुष्टि हुई है।

ऐसे में सीएम योगी ने कोविड प्रबंधन की टीम नाइन की बैठक बुलाई। इसमें निर्देश दिए कि लखनऊ समेत सात जिलों में स्थिति पर सूक्ष्मता से नजर रखी जाए। कोरोना के केस बढ़ने न पाए, तुरंत प्रभाव से इसकी मानिटरिंग करें। इसके अलावा सीएम योगी ने कहा कि एनसीआर के जनपदों (गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत) तथा लखनऊ जनपद में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाया जाना अनिवार्य किया जाए। इन जनपदों में टीकाकरण से छूटे लोगों को चिन्हित कर वैक्सीनेट किया जाए। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाए। लक्षणयुक्त लोगों की टेस्टिंग कराई जाए। एनसीआर में कोविड पॉजिटिव पाए गए मरीजों के सैम्पल की जीनोम सिक्वेंसिंग के दौरान कोविड के ओमीक्रोन वैरिएंट की ही पुष्टि हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार संभव है कि केस की संख्या में बढ़ोतरी हो लेकिन अस्पताल में भर्ती होने अथवा मरीज के अति गंभीर होने की स्थिति नहीं होगी। लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन के लिए जागरूक किया जाए। बता दें कि प्रदेश में वर्तमान में कुल एक्टिव केस की संख्या 695 है। विगत 24 घंटों में 83 हजार 864 कोरोना टेस्ट किए गए, जिसमें 115 नए कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 29 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए।

भगवान परशुराम के जीवन और कृतित्व से परिचित करायेगी परशुराम संसद : भराला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 19-20 जून को हरिद्वार में होगा आयोजन

लखनऊ। नई दिल्ली में राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा आगामी 19-20 जून 2022 को हरिद्वार में होने जा रहे श्री परशुराम संसद के आयोजन को लेकर एक बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता संस्थापक संरक्षक पंडित सुनील भराला मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गयी।

बैठक का संचालन एसके शर्मा राष्ट्रीय सह संयोजक राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा किया गया। इस मौके पर भराला ने अपने संबोधन में कहा कि 19-20 जून को देवभूमि हरिद्वार में राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा भगवान परशुराम के जीवन वृतान्त जन्मस्थली, विद्यास्थली, कर्मस्थली, युद्धस्थली इत्यादि का ऐतिहासिक पौराणिक, वैदिक तथा विविध भारतीय लोक संस्कृतियों के आधार पर संकलन करने के लिए दो दिवसीय परशुराम संसद का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

परशुराम संसद में देश-प्रदेश से आए हुए विद्वान एवं इतिहासकार तथा पूज्य संतों का बड़ा सम्मेलन करके परशुराम की जन्मस्थली, कर्मस्थली, युद्धस्थली, इत्यादि का ऐतिहासिक, पौराणिक, वैदिक तथा विविध भारतीय लोक संस्कृतियों के आधार उद्घोष किया जाएगा। बैठक में परशुराम संसद आयोजन के लिए टीम का गठन किया गया। आनंद शर्मा प्रोफेसर दिल्ली यूनिवर्सिटी को परशुराम संसद का संयोजक नियुक्त किया गया।

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान संघर्ष सभा करेंगे राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगले माह तेलंगाना दौर पर जाएंगे। दो दिवसीय इस दौरे के दौरान वे किसान संघर्ष सभा को वारंगल में संबोधित भी करेंगे। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख और सांसद रेवांथ रेड्डी ने बताया कि राहुल गांधी 6-7 मई को प्रदेश आएंगे। राहुल गांधी का तेलंगाना दौरे का सबसे प्रमुख मकसद किसानों के मुद्दे हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में किसान संकट में हैं।

रेड्डी ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार किसानों का अनाज खरीद नहीं रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने किसाना का ऋण माफ करने का वादा किया था जब उन्होंने इस बारे में भी अब तक कुछ नहीं किया है। यही वजह है कि किसान अब इसके खिलाफ संघर्ष शुरू करने वाली है। राहुल गांधी वारंगल की किसान संघर्ष सभा में इन्हीं मुद्दों को उठाएंगे। रेड्डी ने ये भ आरोप लगाया कि भाजपा और टीआरएस दोनों अंदरखाने मिली हुई हैं और साजिश रच रही हैं। पीएम मोदी और केसीआर दोनों ही एक हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।